B-III
L-36
Economy

Core inflation v/s Headline inflation
मुख्य मुद्रास्फीति v/s हेडलाइन मुद्रास्फीति

आधार प्रभाव को समाप्त करने के लिए मुद्रास्फीति की गणना से खाद्य वस्तुओं और ईंधन से जुड़ी वस्तुओं को हटा दिया जाता है। इस प्रकार से निकाली जाने वाली मुद्रास्फीति की दर को कोर मुद्रास्फीति कहते हैं।

उपर्युक्त के विपरीत, हेडलाइन मुद्रास्फीति के मामले में इन वस्तुओं को नही हटाया जाता है

Demand-Pull v/s Cost-Push Inflation

यदि मुद्रास्फीति के बढ़ने का कारण समग्र मांग की अधिकता हो तो इस प्रकार की मुद्रास्फीति को डिमांड पुल मुद्रास्फीति कहते हैं।

इस मुद्रास्फीति के मुख्य कारक निम्न होते हैं –

(i) ↑ C
(ii) ↑ G
(iii) ↑ X
(iv) ↑ L
(v) ↓ J

इसे एक चित्र की सहायता से प्रस्तुत किया जा सकता है –

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

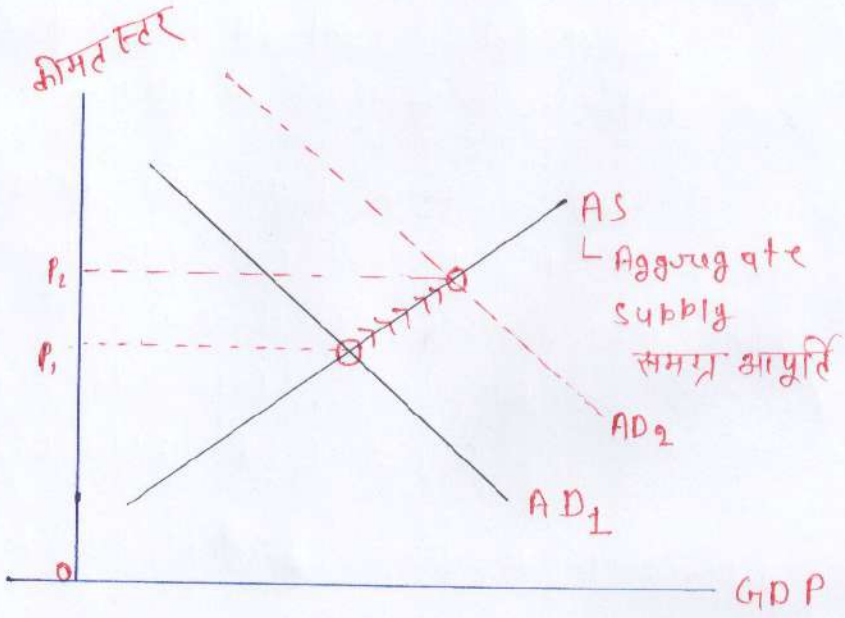

यदि मुद्रास्फीति के बढ़ने का कारण आपूर्ति बाधा (Supply bottlenecks), उत्पादन की ऊँची लागतें आदि हों तो इसे Cost Push मुद्रास्फीति कहते हैं। इसे निम्नांकित द्वारा दिखाया जा सकता है-

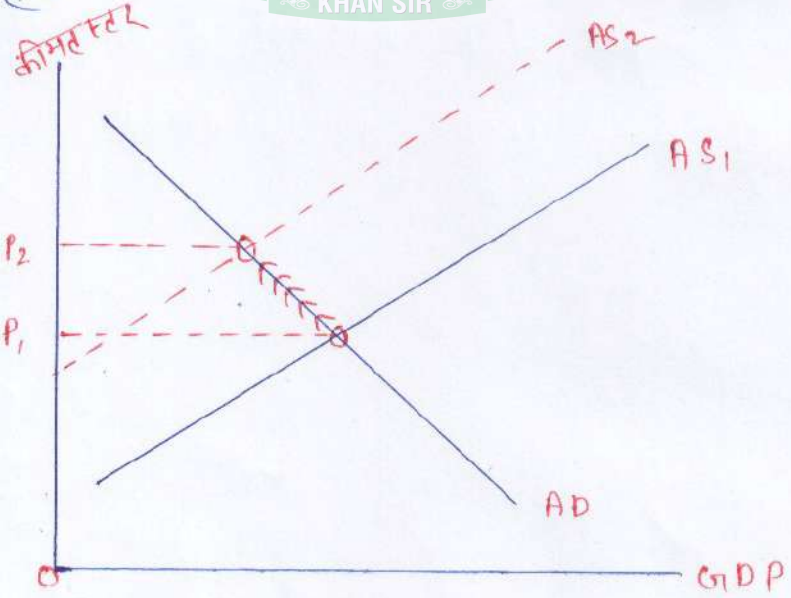

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Note:-

भारत की मुद्रास्फीति का मुख्य स्वरूप Cost Push प्रकार का है

Growth Embloyment and Inflation

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निम्न दो बातें मुख्य हैं

Growth और inflation के बीच में सीधा संबंध होता है अर्थात यदि ग्रोथ के स्तर को बढ़ाया जाता है तो मुद्रास्फीति की दर भी बढ़ती है।

बेरोजगारी की दर और मुद्रास्फीति की दर में उल्टा सम्बन्ध होता है अर्थात यदि बेरोजगारी की दर को कम किया जाता है तो मुद्रास्फीति की दर बढ़ती है

उपर्युक्त संबंधो को एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है-

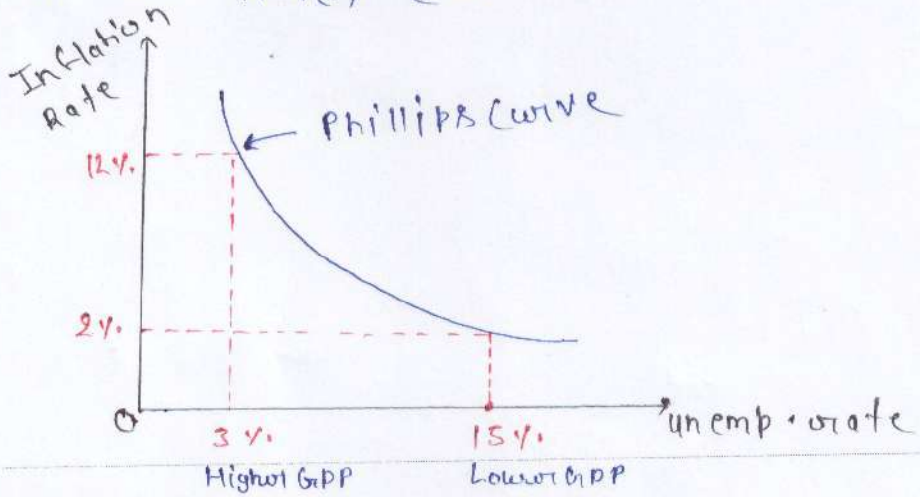

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Policy of IT in India
└ Inflation Targetting.

(i) इस प्रकार की रणनीति को सबसे पहले न्यूजीलैंड द्वारा शुरू किया गया था।

(ii) भारत के द्वारा इसे वर्ष 2016-17 में शुरू किया गया था।

(iii) यह दो प्रकार की होती है -

(i) Flexible IT - मुद्रास्फीति की दर को एक दायरे में रखा जाता है।

(ii) Inflexible IT - मुद्रास्फीति की एक निश्चित दर को लक्ष्य बनाया जाता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(iv) भारत मे Flexible IT को लागू किया गया है जिसे निम्न प्रकार दिया जा सकता है -

4% ± (2%)

- Upper limit → 6%
- Lower limit → 2%

(v) IT के लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्तरदायित्व MPC -(Monetary Policy committee) का होता है तथा इसमें 6 सदस्य होते हैं तथा RBI गवर्नर इसका पदेन सभापति होता है.

(vi) MPC बहुमत के आधार रिजर्व बैंक को रेपो दर के बारे में सिफारिश करती है जिसे लागू करना होता है।

(vii) Nominal Anchor के रूप में CPI-C का प्रयोग किया गया है

कुछ अन्य बातें

- मुद्रास्फीति से निम्न लोगो को लाभ मिलता है -

(a) व्यापारी और उद्योपति वर्ग।

(b) देनदार (Debtors) / ऋणकर्ता

(c) Bond-Issuers — UPSC PT

(d) नियोक्ता (Employer)

- मुद्रास्फीति से निम्न लोगो को नुकसान होता है-

(a) वेतनभोगी वर्ग।

(b) स्थिर आय वाले लोग

(c) बचत कर्ता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

d लेनदार (Creditors)

(e) Bond holders – UPSC PT

(5) मुद्रास्फीति के विरुद्ध हेजिंग –

(i) सोना

(ii) स्वर्ण बॉन्ड

(iii) Convertible Bonds } PT, 2022

(iv) Inflation-indexed Bonds }

(6) कुछ शब्द –

(i) Deflation – कीमतों का गिरना

(ii) Disinflation – Inflation का कम होना

(iii) Stagflation ↓

Inflation

+

Lower growth / No growth

(iv) Shrinkflation ↓

↓ Quantity

* P

(v) Skimpflation ↓

↓ Quality

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR